एमएमटीसी द्वारा सिस्टम में अपनाए गए सुधार

1. विभिन्न व्यापार संबंधी अनुप्रयोगों तक पहुँचने के लिए वर्कफ़्लो अनुप्रयोग के माध्यम से उपयोगकर्ता को एक्सेस अधिकार प्रदान करना :

एमएमटीसी में, विभिन्न व्यापार से संबंधित अनुप्रयोगों के लिए अधिकृत उपयोगकर्ताओं तक पहुँच अधिकार यथा ईआरपी सहित बुलियन ट्रेडिंग सिस्टम, रिटेल मैनेजमेंट सिस्टम, इंडियन गोल्ड कॉइन और ई-मेलिंग सिस्टम का उपयोग भौतिक पेपर अनुरोधों के माध्यम से मैन्युअल रूप से संसाधित करके किया जाता था, जिसे प्रोसेस करने में विलंब और अदक्षता होती है, क्योंकि पूरी प्रक्रिया को पूर्ण करने में लगभग 7 दिन लगते थे। इसमें एक सुरक्षा जोखिम भी था, क्योंकि क्षेत्रीय कार्यालयों में लॉगिन क्रेडेंशियल को ईमेल से सिस्टम अधिकारी को सूचित किया जाता था।

तदनुसार, उपयोगकर्ता एक्सेस अधिकार देने की प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए, विभिन्न उपयोगकर्ताओं के माध्यम से गोपनीयता और प्रक्रिया की अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक चरण में उपयोगकर्ता-नाम और पासवर्ड-क्रेडेंशियल्स का उपयोग प्रक्रिया अपनाते हुए वर्कफ़्लो तंत्र के आधार पर स्वदेशी सॉफ़्टवेयर विकसित किया गया है। सिस्टम डिवीजन ने वर्कफ़्लो अनुप्रयोग के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के निर्माण/संशोधन और विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अधिकारों (ईआरपी/बीटीएस/ईमेल/ आईजीसी/आरएमएस आदि) के लिए अनुरोध सबमिट करने की प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया है, जिसे "इंट्रानेट" के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। जब अनुमोदन के लिए एक नया अनुरोध प्राप्त होता है तो अनुरोध संसाधित होने के बाद अगले उच्च प्राधिकारी और उपयोगकर्ता को ईमेल अलर्ट भेजे जाते हैं।

उपयोग के अधिकारों के निर्माण या संशोधन पर प्रचुर सुरक्षा के उपाय के रूप में वर्तमान विकसित यूएआर प्रणाली में, अनुरोध किए गए आवेदन का पासवर्ड केवल उस अधिकारी के द्वारा ही देखा जा सकता है जिसे एक्सेस अधिकार प्रदान किया गया है। क्षेत्रीय कार्यालय पर कोई मध्यवर्ती अनुमोदनकर्ता या सिस्टम अधिकारी पासवर्ड नहीं देख सकता है। पावती पर उपयोगकर्ता को तत्काल पासवर्ड बदलना होगा ताकि पासवर्ड की जानकारी केवल उसे ही हो। हालांकि, यदि उपयोगकर्ता पासवर्ड भूल जाता है, तो उसे पासवर्ड को फिर से भरने के लिए पूरी प्रणाली से गुजरना होगा। इस प्रकार उपयोगकर्ताओं को उपयोगकर्ता पहुँच अधिकार प्रदान करने की यह संशोधित प्रणाली अधिक सुरक्षित और कुशल है, जो डेटा की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता के लिए अद्यतन है।

2. ई-ऑफिस प्रणाली का कार्यान्वयन :

ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रिया शुरू करने से पहले, फ़ाइलों/रिकॉर्डों को बनाए रखा जा रहा था और निपटान के लिए भौतिक रूप से संसाधित किया जाता था। इस भौतिक प्रणाली में विभिन्न नुकसान थे यथा निर्णय लेने में देरी, सुरक्षा की कमी और सूचना की अखंडता और भंडारण के लिए बहुमूल्य स्थान की आवश्यकता। उत्पादकता स्तर को बढ़ाने और उपरोक्त मदों को दूर करने के लिए यह निर्णय लिया गया कि पेपरलेस कार्यालय की ओर बढ़ने के लिए आधुनिक तकनीक का पता लगाया जाना चाहिए और इसका उपयोग किया जाना चाहिए।

तदनुसार, दिनांक 06.04.2021 से ई-ऑफिस के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया था। एनआईसी का यह ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर एक वर्कफ़्लो-आधारित सॉफ़्टवेयर है जो भौतिक फ़ाइलों को डिजिटाइज़ करने में सक्षम है, फ़ाइल पर नोटिंग कैप्चर करता है, विभिन्न स्तरों पर निर्णय लिया जाता है, अधिसूचनाएँ जारी करता है, मौजूदा भौतिक फ़ाइलों और रिकॉर्डों को डिजिटाइज़ और संग्रहीत करता है और नये सृजित इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइलें और रिकॉर्ड का प्रबंधन भी करता है।

इस प्रकार यह प्रणाली पेपरलेस कार्यालय की सुविधा देती है, जवाबदेही बढ़ाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है, कहीं से भी और किसी भी समय पहुंच प्राप्त करती है, डेटा सुरक्षा और अखंडता का आश्वासन देती है और निर्णय लेने में उत्पादकता में सुधार करती है।

3. **निविदा प्रक्रिया में बढ़ती पारदर्शिता**:

सीवीसी की सीटीई विंग ने नवंबर, 2019 के दौरान एमएमटीसी द्वारा पिग आयरन के निर्यात से संबंधित निविदा की गहन जांच की और टेंडरिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और परिचालन प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए सिस्टम सुधार की सलाह दी थी। तदनुसार, जनवरी, 2021 के दौरान एमएमटीसी द्वारा प्रणाली में सुधार किए गए हैं, जो निम्नानुसार हैं : -

i) केवल ई-मोड में तकनीकी बोली का निमंत्रण :

एमएमटीसी इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक दोनों मोड में बोलियों को आमंत्रित कर रहा था, जो कभी-कभी बोलीदाता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में विसंगति के कारण शिकायतें उत्पन्न करता था और इसे बोलियों को आमंत्रित करने का पारदर्शी तरीका भी नहीं माना जाता था। सीवीसी के सीटीई विंग द्वारा सलाह के अनुसार बोली प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, एमएमटीसी ने भौतिक मोड में तकनीकी बोलियों को आमंत्रित करना बंद कर दिया।

ii) एलओआई की स्वचालित सृजन और बोली परिणामों के स्वचलित ऑटो साझाकरण :
सीटीई, सीवीसी की सलाह के आधार पर एलओआई अब सिस्टम द्वारा स्वचालित रूप से जेनरेट किया जा रहा है और पारदर्शिता और परिचालन प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए सिस्टम द्वारा परिणामों को बोलीदाताओं के साथ साझा किया जाता है, जो पहले मैन्युअल रूप से किया जा रहा था।